Email: etawahexpress24@gmail.com Web: www.etawahexpress.com

इटावा एक्सप्रेस

आर.एन.आई शीर्षक कोड UPHIN50151, इटावा, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष 2	अंक 22	इटावा 30 नवम्बर 2024 दिन शनिवार	हिन्दी साप्ताहिक	रुपए 2	पृष्ठ 8

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का समाज के हर क्षेत्र में योगदान, गौरवशाली परंपरा पुन: होगी वापस : सीएम

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक गौरवशाली परंपरा रही है। न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से निकले छात्र सेवा दे रहे हैं। सार्वजनिक जीवन से लेकर विज्ञान, राजनीति, साहित्य. कला, शिक्षा हर क्षेत्र में यहां के छात्र आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अपना पुरातन गौरव को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से आगे बढ़ रहा है इससे वह दिन दूर नहीं जब वह अपने इस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेगा। सीएम योगी बुधवार को इलाहबाद विवि के 136 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही अन्य मेधावियों को भी उपाधि दी। सीएम योगी ने कहा कि हमें समय के साथ चलने की जरूरत है। जो समय के साथ नहीं चलता है समय उसको समाप्त कर देता है। इसलिए विवि को चाहिए को वह अपने छात्रों को समय की गति से दस कम आगे चलने के लिए तैयार करना चाहिए ताकि छात्र समय की चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें। कहा कि इलाहाबाद की यह खासियत है कि यहां जो जिस भाव से आता है वह वैसा ही बन जाता है। कहा कि इलाहाबाद विवि अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें इलाहाबाद विवि ने इस देश को कुछ न दिया है। समय के साथ नहीं चले तो बन जाएंगे पिछलग्गू सीएम योगी ने कहा कि समय के साथ चलेंगे तो समाज, देश और दुनिया हम सबका अनुसरण करेगी नहीं तो हम पिछलग्गू बनकर ही रह जाएंगे। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि समय के साथ चलना है या अपने को पिछड़ा घोषित करना कर पिछलग्गू बनकर रहना है। इलाहाबाद विवि इसी द्वंद का शिकार है। विपरीत चुनौतियों का सामना करते हुए विवि अपनी पुरानी, प्रतिष्ठा और गौरव को प्राप्त करने लिए जूझ रहा है। एक दिन इसे जरूर सफलता मिलेगी इसमें कोई संदेह नहीं है। संविधान की मूल प्रति में नहीं हैं पंथनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में पंथनिरपेक्ष और समाजवाद जैसा कोई शब्द नहीं है। यह दो शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी और न्यायपालिका के अधिकार कुंद कर दिए गए थे। जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, वह आज संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि यह समाज उन लोगों का मूल्यांकन कब करेगा, जो लोकतंत्र के लिए स्वयं एक खतरा है। इन्होंने संविधान में स्वयं अपनी मर्जी से छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास करने के साथ लोकतंत्र को पैरालाइज करने का प्रयास भी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले यह बताएं कि क्या एक परिवार की चाटुकारिता ही समाजवादी आंदोलन है। उन्होंने छात्र संघ के मुद्दे पर कहा कि छात्र संघ चुनाव में शिरकत करने के लिए अधिकतम आयु निर्धारित होनी चाहिए। सीधे तौर पर पर ना सही लेकिन उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाली की वकालत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंच पर आठ मेधावी छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए। साथ ही कवि कुमार विश्वास को मानव उपाधि प्रदान की।

राहुल गांधी ने बोला हमला

'अदाणी को जेल में होना चाहिए, सरकार उन्हें बचा रही है'

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अदाणी की गिरफ्तारी की मांग बुधवार को फिर उठाई और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उन्हें बचा रही है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि अमेरिका में अदाणी को हजारों करोड़ रुपये की अनियमितता के मामले में अभ्या रोपित किया गया है, ऐसे में उन्हें जेल में होना चाहिए। इससे पहले, अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि अरबपति

गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर कथित रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका के विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के उल्लंघन का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। कंपनी का यह भी कहना है कि उन पर प्रतिभूति धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाया गया है जिसमें मौद्रिक दंड लगाया जाना शामिल है। इस बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, क्या आपको (मीडियाकर्मियों को) लगता है कि अदाणी अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार करेंगे? आप किस दुनिया में रह रहे हैं? निश्चित तौर पर वह इनकार करेंगे। जैसा कि हमने पहले कहा है, उनको गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

केजरीवाल ने सफाई कर्मचारियों को किया अपने घर चाय पर आमंत्रित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगानी शुरू कर दी है और इसके लिए तरह-तरह की कवायद भी शुरू कर दी गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सफाई कर्मचारियों को अपने घर चाय पर आमंत्रित किया है। आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस और संविधान दिवस के दिन उन्होंने अपने कार्यकताओं, विधायकों, पार्षद को संबोधित किया था। केजरीवाल ने कहा था कि वह अपने इलाके में काम करने वाले सफाई कर्मियों को अपने घर पर आमंत्रित करें। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल ने सफाई कर्मियों को अपने घर चाय पर आमंत्रित किया है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखते हुए कहा, आज मैंने सफाई कर्मचारियों को अपने घर चाय पर आमंत्रित किया है। दिल्ली के सफाई कर्मचारी दिन-रात मेहनत करते हैं, हमारे घर के आस-पास सफाई करते हैं, उनकी मेहनत का आदर करना हम सबका कर्तव्य है। आप भी ये जरूर करें, आपके घर के आसपास जो सफाईकर्मी काम करते हैं उन्हें छुट्टी वाले दिन अपने घर चाय पर बुलाएँ, उनसे सुख-दुख की बात करें, उन्हें बहुत अच्छा लगेगा।

एक्सप्रेस हादसे में सैफई मेडीकल यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टर समेत पांच लोगों की मौत पर शोक में डूबा सैफई का उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय

तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं ने सैफई पहुंचकर जताया शोक

(सुघर सिंह सैफई)

इटावा/ कन्नौज। बुधवार को लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सुबह लगभग 4 बजे वैवाहिक कार्यक्रम से लौटकर आ रहे उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के तीन जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स बरेली निवासी डॉ नरदेव, कन्नौज निवासी डॉ अरुण कुमार, आगरा निवासी डॉ अनिरुद्ध वर्मा,और भदोही निवासी संतोष कुमार (सीनियर टेक्निकल ऑफीसर) और बिजनौर निवासी राकेश कुमार (जूनियर स्टोर ऑफिसर) की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। इस दुखद घटना से पूरा संस्थान गमगीन माहौल में डूब गया। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने सैफई पहुंचकर डॉक्टर व अन्य स्टाफ के सदस्यों के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ प्रभात कुमार ने इस हृदय विदारक घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा इस घटना से मैं पूरी तरह से आहत हूं। निसंदेह यह संस्थान के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल डॉ जयवीर सिंह अभी आईसीयू में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है उन्हें

हादसे में मृत राकेश कुमार, डॉ अनिरुद्ध वर्मा, डॉ नरदेव, संतोष कुमार मौर्य, डॉ अरुण

सिर और चेस्ट इंजरी हुई है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसपी सिंह की अध्यक्षता में मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है जिसमें जनरल सर्जरी से डॉ राम लखन वर्मा ,न्यूरोसर्जरी विभाग से डॉ सजग कुमार, एनेस्थीसिया से डॉ राघवेंद्र, सीवीटीएस विभाग से डॉ वरुण की टीम चिकित्सीय उपचार व देखरेख कर रही है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसपी सिंह ने बताया कि सुबह लगभग 4 बजे यह एक्सीडेंट हुआ है, यह लोग लखनऊ से किसी वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे थे कन्नौज के पास तिर्वा में यह दुर्घटना हुई जिसमें पांच लोगों की की मृत्यु हुई है यह सभी बायोकेमेस्ट्री माइक्रोबायोलॉजी विभाग के थे, उन्होंने बताया कि 32 वर्षीय घायल डॉ जयवीर की स्थिति गंभीर है डॉक्टर्स की टीम की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। स्कॉर्पियो के डिवाइडर से टकराने से हुआ हादसा ? लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर बुधवार सुबह तड़के 4 बजे स्कॉर्पियो डिवाइडर को तोड़कर दूसरी ओर से जा रहे ट्रक से टकरा गई टक्कर इतनी जबरदस्ती की बैलून खुलने के बाद भी तीन डॉक्टरों समेत पांच की मौत हो गई जब कि एक डॉक्टर को गंभीर हालत में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय मेंभर्ती कराया गया है घटना तिर्वा के चौनल नंबर 196—200 के पास क्षेत्र के सिकरोरी गांव के पास हुई स्कॉर्पियो को डॉक्टर अनिरुद्ध चला रहे थे पुलिस का अंदेशा है कि चालक को झपकी आने से हादसा हुआ होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताया दुःख सुबह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में भी इस हादसे को संज्ञान में लिया है योगी ने डॉक्टर व अन्य स्टाफ के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायल के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मृतकों को एक — एक करोड़ की आर्थिक सहायता व नौकरी दी जाए रू सपा जिलाध्क्ष आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसे मे तीन चिकित्सक समेत 5 लोगों के निधन पर सैफई मेडीकल यूनिवर्सिटी में जाकर जिला अध्यक्ष सपा प्रदीप शाक्य बबलू, जिला महासचिव वीरू भदोरिया, वरिष्ठ नेता उदयभान यादव ने पीजीआई के कुलपति प्रभात कुमार सिंह एवं प्रति कुलपति रमाकांत सिंह यादव से मिलकर मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपये आर्थिक सहायता राशि मुआवजे की मांग की एवं सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में नौकरी की मांग करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।

स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का निवास : नबाव वर्मा

सैफई में प्राथमिक स्तरीय मिनी बाल क्रीडा का हुआ शुभारंभ

सैफई इटावा एक्सप्रेस

बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वाधान में

विकास खंड सैफई में आयोजित ब्लॉक स्तरीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ नवाब वर्मा खंड शिक्षा अधिकारी सैफई द्वारा किया गया। शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नबाब वर्मा व रामजन्म सिंह(एस आर जी) , गौरव पाठक (जिला व्यायाम शिक्षक) एवं प्रमिला पाठक द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात प्राथमिक स्तर की खो – खो व कबड्डी प्रतियोगिता के खिलाड़ियों से अतिथियों ने परिचय प्राप्त कर उद्घाटन किया। प्राथमिक स्तर पर 50 मी दौड़ प्रतियोगिता में लव कुश उझियानी से प्रथम स्थान स्वाति कुम्हावर द्वितीय स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में दीपक उझियानी प्रथम एवं शिवानी लाडमपुर से द्वितीय रही। 200 मीटर दौड़ में महेंद्र कुम्हावर प्रथम, गौरी कुम्हावर द्वितीय रही। 400 मीटर की दौड़ में अनुज लाड़मपुर से प्रथम गौरी कुम्हावर द्वितीय रही। उच्च प्राथमिक स्तर पर 100 मीटर की दौड़ में अरुण सिंह मोहटी प्रथम एवं वैष्णवी नगला सुभान द्वितीय रही। 200 मीटर की दौड़ में सागर सैफई प्रथम रागिनी महोला द्वितीय रही। 400 मीटर की दौड़ में अरुण मोहटी प्रथम श्रुति सिंह नगला सुभान द्वितीय रहीं। 600 मीटर की दौड़ में अरुण मोहटी प्रथम रागिनी महोला द्वितीय रही। उच्च प्राथमिक स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग में हरदोई की टीम विजेता रही तथा नगला सुभान की टीम उपविजेता रही ।इसी प्रकार बालिका वर्ग में कुइया और महोला की टीम विजेता रही और हरदोई की टीम उपविजेता रही। प्राथमिक स्तर पर हुई कबड्डी प्रतियोगिता में बालक वर्ग से कुइया की टीम विजेता एवं हरदोई की टीम उपविजेता रही बालिका वर्ग में कुम्हावर की टीम विजेता झिंगुपुर की टीम उपविजेता रही खो–खो प्रतियोगिता उच्च प्राथमिक स्तर पर हरदोई की टीम विजेता रही एवं सैफई की टीम उपविजेता रही इसी प्रकार बालिका वर्ग में लाड़मपुर की टीम विजेता रही हरदोई की टीम उपविजेता रही। समापन के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी नवाब वर्मा ने कहा स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने बच्चों को अपने ब्लॉक जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाओं सहित विजेता उपविजेता बच्चों को पुरस्कृत किया। खेलकूद एवं क्रीडा प्रतियोगिता यतेंद्र कुमार ब्लॉक पीटीआई के निर्देशन में संपन्न हुई। निर्णायकों की भूमिका शिप्रा सिंह, संजीव कुमार,प्रदीप सिंह , राहुल कुमार मुकेश कुमार ,विकास यादव, कमलेश कांत ने निभाई। विपिन पाल सिंह,प्रद्युम्न यादव, अनिल यादव , जितेंद्र कुमार, दुर्वेश यादव, अनुपम कौशल आदि सहयोग के लिए उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री जी ने कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री जी द्वारा गौशाला की जगह को लेवल करने के निर्देश दिए साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देश दिए की गौशाला में पेड अवश्य लगाए जाएं जिससे गर्मी आने पर पशुओं को छांव मिले एवं उन्हें

किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो । माननीय मंत्री जी ने गौशाला में गायों को अपने हाथों से गुड़ खिलाया। उन्होंने वहां के सभी उपस्थित कर्मचारियों से कहा कि गायों की सेवा करना हमारा धर्म है यहां पर जो भी कर्मचारी उपस्थित हैं वह गौशाला में तन मन से कार्य करेंगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अवसर पर पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया ,जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत ,जिलाधिकारी अवनीश राय,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव,सीएमएस सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित स्थित रहे।

इटावा के समाज सेवी जगत सिंह राजपूत आचार्य को इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया ने दिल्ली में किया सम्मानित

इटावा के समाज सेवी श्री जगत सिंह राजपूत आचार्य जी, श्री हुकुम सिंह जी दिल्ली में हुए सम्मानित इन्टरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री योगेन्द्र नारायण जी सीनियर आईएएस, श्री आर के भटनागर साहब सीनियर आईएएस, श्री देवेश चतुर्वेदी जी चीफ सेक्रेटरी कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सोसाइटी एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए 22—11—2024 कोआडोटोरियम सिविल सर्विसेज आफीसर्स इन्स्टीट्यूट ऑफ इंडिया विनय मार्ग

चाणक्यपुरी नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। राजीव यादव प्रबंधक प्रेमादेवी पब्लिक जूनियर हाई स्कूल इटावा, सुशील सम्राट प्रधानाचार्य आदर्श पब्लिक स्कूल इकदिल, निर्मल सिंह जल पुरुष, सुरेश कुमार नामदेव, रामसेवक राजपूत, वंदना राजपूत, आराधना राजपूत, रवि कुमार राजपूत, नन्दलाल राजपूत आदि सैकड़ो शुभचिंतकों ने दी बधाई

थानाध्यक्ष सिरसागंज वैभव सिंह द्वारा लगातार अपराधियो पर जारी कार्यवाही

जनपद फिरोजाबाद थाना सिरसागंज पुलिस द्वारा शातिर अभियुक्त सुनील को 01 अवैध तमंचा व 01 जिंदा कारतूस सहित किया गया गिरफ्तार । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधाकारी सिरसागंज के कुशल नेतृत्व में थाना सिरसागंज पुलिस टीम द्वारा चौकिंग संदिग्ध व्यक्ति

/ वाहन के दौरान पैगू अण्डर पास के सामने सर्विस रोड़ से एक शातिर अभियुक्त सुनील पुत्र हरीसिंह निवासी गिहार कॉलोनी थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद को 01 अवैध तमन्चा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मुकदमा अपराध संख्या 527/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

बिजली विभाग बना व्यापारी और आम आदमी के उत्पीड़न का अड्डा

जनता दलालों से परेशान, इटावा व्यापार मंडल नें दिया अधीक्षण अभियंता को सात सूत्रीय ज्ञापन इटावा–विद्युत विभाग दारा व्यापारियों एवम आम जनमानस को हो रही समस्याओं के निदान के संबंध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल का एक डेलीगेशन अधीक्षण अभियंता श्री मनोज गौड़ से मिला और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधि मंडल नें बताया कि बिजली का बिल जमा होने पर भी पूरे शहर में लोगों के कनेक्शन तार बदलने के नाम पर काटे जा रहे हैं जबकि तार बदलने का काम बिजली विभाग का है तार बदलने के नाम पर आम आदमी का उत्पीड़न किया जाता है जो कि तुरंत बंद होना चाहिए। बिजली का बिल जमा न होने पर लोगों को समय न देकर तुरंत कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है जो कि गलत है। व्यावसायिक कनेक्शन लेने वाले व्यापारियों को उनका सम्मान मिलना चाहिए और कागजों के नाम पर उनका उत्पीड़न नहीं होना चाहिए और उनको तुरंत कनेक्शन दिए

जाने चाहिए। ओवरलोड के नाम पर लोगों का उत्पीड़न बंद हो। न्यूनतम बिल राशि को खत्म करके जितने यूनिट उपभोग हो उतने का ही बिल व्यापारियों का लिया जाए। सड़कों पर बेवजह लटके हुए तारों को तुरंत ठीक किया जाए एवं सड़कों के किनारो पर लगे हुए पोलो को व्यवस्थित किया जाए क्योंकि इन पोलो के कारण अतिक्रमण को बढ़ावा मिलता है अतः इस प्रकार के खंभों को बिजली विभाग तुरंत हटाने की व्यवस्था करें। कई बार देखने में आता है कि यदि किसी व्यापारी का निवास अपने प्रतिष्ठान के ऊपर प्रथम तल पर है तो भी उसको घरेलू कनेक्शन देने में आनाकानी की जाती है जो कि पूर्णतः गलत है। उसको उसी व्यवसायिक रेट पर घर पर भी बिजली का उपयोग करना पड़ता है। अतः विभाग की और से व्यापारी साथी को अलग से घरेलू कनेक्शन भी उपलब्ध कराया जाए। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने उपरोक्त लिखी गई मांगों पर जल्द से जल्द बिजली विभाग के सम्मानित उच्च अधिकारीगण से कार्यवाही की उम्मीद करता है प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से संरक्षक बृजेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी, उद्योग मंच के जिलाध्यक्ष भारतेन्द्र नाथ भारद्वाज, जिला मीडिया प्रभारी इश्तियाक कुरैशी, शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, हिमांड श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे

फिरोजाबाद पुलिस ने किया पैदल मार्च / गश्त

फिरोजाबाद जनपद में सुदृढ़ कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित के निर्देशन में दिनांक 28–11–2024 को अपर पुलिस अधीक्षक नगर / ग्रामीण, समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत मुख्य बाजारों, चौराहों, भीड़ भाड़ वाले स्थानों एवं मिश्रित आबादी में पैदल मार्च / गश्त की गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित फिरोजाबाद ने बताया कि लगातार भ्रमणशील रहकर ड्रोन कैमरों से सतर्क निगरानी रखी जा रही है। पैदल मार्च / गश्त के दौरान आम जनमानस / व्यापारी बन्धुओं से वार्ता कर दिलाया सुरक्षा का भरोसा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म (ट्विटर/फेसबुक / इन्स्टाग्राम/ व्हाट्सएप) पर सोशल मीडिया पुलिस टीम द्वारा 24X7 घंटे सतत निगरानी रखी जा रही है। अफवाहों से दूर रहें किसी भी खबर को बिना प्रमाणिकता जाने शेयर न करें। अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी फिरोजाबाद पुलिस आपकी सुरक्षा एवं जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए है कटिबद्ध। फिरोजाबाद पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर

उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य ने सुनी पीड़ित महिलाओं की समस्याएं

इटावा एक्सप्रेस

इटावा। उ.प्र.राज्य महिला आयोग की सदस्य माननीय श्रीमती अनीता गुप्ता ने महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए सिंचाई गेस्ट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई करते हुए पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को सुना। इस दौरान कुल 7 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिसको निस्तारित करने के लिए उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। माननीय सदस्य ने महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं/ शिकायतों से रुबरू होते हुए कहा कि समस्याओं से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित न्याय देने के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए सरकार द्वारा मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिससे महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके हक के प्रति सजग किया जा सके और उन्हें सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों का भी दायित्व बनता है कि वे महिलाओं एवं बालिकाओं की छोटी–बड़ी शिकायतों को

गम्भीरता से लें और त्वरित कार्रवाई कर उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित करें जिससे समस्याओं से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को न्याय के लिए इधर– उधर भटकना न पड़े और उनका मान–सम्मान प्रत्येक दशा में कायम रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी बहन–बेटियों के मान सम्मान को बनाये रखने के लिए उनकी सुरक्षा हेतु 1090, 181, 1076,112,102,1930,101,1098,108 का संचालन कर रही है। यदि कोई भी व्यक्ति किसी भी महिला एवं बालिका के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश करता है तो वह बे–झिझक इन टोल फ्री नम्बर का उपयोग कर शिकायत कर सकती है। यदि उनको समय से न्याय नहीं मिलता है तो वे राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज करा सकती है। ऐसे प्रकरणों पर निश्चित ही महिला आयोग से समस्या से पीड़ित महिलाओं व बालिकाओं को न्याय मिलेगा। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, क्षेत्राधिकारी अमित कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी सूरज सिंह , श्रम आयुक्त श्रीमती श्वेता गर्ग,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर राजेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रविंद्र कुमार शशि, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव, सहित संबंधित अधिकारी एवं पीड़ित महिलाएं आदि उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ने इटावा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नगरक्षेत्र का किया निरीक्षण

इटावा। माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश श्री धर्मवीर प्रजापति प्रभारी मंत्री जी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नगरक्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बालिकाओं के लिए डबल बेड की व्यवस्था की जाए सिंगल बेड को हटाया जाए। विद्यालय का फर्श टूटा देखते हुए माननीय मंत्री जी ने तत्काल फर्स की मरम्मत कराए जाने हेतु निर्देशित किया साथ ही साथ उन्होंने यह भी अवगत कराया कि विद्यालय की बिल्डिंग की मरम्मत एवं रंग रोशन अवश्य कराया जाए। माननीय मंत्री जी ने भोजनालय में जाकर खाने की गुणवत्ता को परखा एवं निर्देश दिए कि खाने में कोई भी कटौती नहीं होनी चाहिए खाना प्रतिदिन मीनू के हिसाब से बदल कर ही बनाया जाए। बच्चों के खेलने के लिए व्यवस्था की जाए। अवसर पर पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया ,जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत ,जिलाधिकारी अवनीश राय,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव,सीएमएस सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित स्थित रहे।

खनन माफिया हुये सक्रिय अधिकारी बने अनजान

इटावा एक्सप्रेस वकेबर

बकेवर थाना क्षेत्र भरथना रोड पर चटोरपुरा पेट्रोल पम्प के पीछे मिट्टी का अवैध खनन जोरों पर चल रहा है खनन माफियाओं ने रात के अधेरे में मिट्टी का अवैध खनन कर डंफरों व ट्रेक्टरों में मिट्टी भर कर शेरपुर के समीप एक प्लाट में बड़े पैमाने पर भरायी की जा रही लेकिन खनन अधिकारी द्वारा अभी तक खनन माफियाओं पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रहा है। वहीं नवागंतुक थाना प्रभारी बकेवर को खनन माफिया चौलेंज देकर मिट्टी का अवैध खनन कर रहे है। थाना क्षेत्र के भरथना रोड पर चटोरपुरा गांव के समीप पैट्रोल पम्प के पीछे मिट्टी खनन माफियाओं द्वारा मिट्टी का अवैध खनन रात के अधेरे में खूब कर रहे है मिट्टी के भरे ट्रैक्टर व डंफर रात्रि में चलाकर नवागंतुक थाना प्रभारी बकेवर को खनन माफिया चौलेंज कर रहे है। जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी खोदकर रात्रि में ट्रैक्टर डंफरों में भरकर शेरपुरा गांव के समीप एक प्लाट में जोरों पर भरायी की जा रही है। लेकिन खनन विभाग इस बात से अनभिज्ञ नजर आता दिखाई दे रहा है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चल रहे मिट्टी के अवैध खनन पर रोक नहीं लगती नजर आ रही है। खनन माफिया प्रशासनिक अधिकारियों को खुला चौलेज देकर मिट्टी का अवैध खनन कर रहे है लेकिन न तो खनन विभाग इन खनन माफियाओं पर रोक लगा पा रहा है और नाही थाना पुलिस खनन माफियाओं पर कोई रोक लगा पा रही है। जबकि क्षेत्रीय जनता ने जिलाधिकारी इटावा अवनीश कुमार राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा संजय कुमार वर्मा से उक्त खनन माफियाओं पर कार्यवाही की मांग की है।

थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा दहेज हत्या में वांछित 2 अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

फिरोजाबाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु जनपद मे चलाये जा रहे चौकिंग अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के नेतृत्व में थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा 2 वांछित अभियुक्तगण 1.यशपाल उर्फ यशवीर उर्फ उदयप्रताप पुत्र फौरन सिंह 2.फौरन सिंह पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासीगण ग्राम नगला मवासी थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद सम्बन्धित मुकदमा अपराध संख्या 305/2024 धारा 80(2)/85/115(2) बी एन.एस. व = दहेज प्रतिषेध अधिनियम थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तगण को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। नाम पता गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण 1.

यशपाल उर्फ यशवीर उर्फ उदयप्रताप पुत्र फौरन सिंह नि0 ग्राम नगला मवासी थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद। 2. फौरन सिंह पुत्र ज्वाला प्रसाद निवासी ग्राम नगला मवासी थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद। पंजीकृत अभियोग दृ मुकदमा अपराध संख्या 305/2024 धारा 80(2)/85/115(2) बी.एन.एस. व = दहेज प्रतिषेध अधिनियम थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः– 1. प्रभारी निरीक्षक उदयवीर सिंह मलिक थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद। 2 उप निरीक्षक सुधीर कुमार थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद। 3. कांस्टेबल 1084 प्रशान्त कुमार थाना मक्खनपुर 4.कांस्टेबल 32 दीपक कुमार थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद।

सम्पादकीय

जानलेवा वायु प्रदूषण के खिलाफ युद्धस्तरीय प्रयास जरूरी

देश की राजधानी दिल्ली उसके आसपास के जिलों, लखनऊ व यूपी के तमाम अन्य जिलों तथा देश के अन्य बहुत से शहरों में घनघोर वायु प्रदूषण इस कदर बुरी हालत में पहुंच गया है कि लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है, लोग तमाम तरह की बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र निदेशक डॉ कल्पना बालकृष्णन के अनुसार वायु प्रदूषण से तमाम लोगों के फेफड़ों व सांस की नली में सूजन आ रही है जिससे सांस संबंधी बीमारियां, हाई ब्लडप्रेशर तथा बाल एवं मातृ कुपोषण भी हों रहा है। वायु प्रदूषण की चपेट में आने से भारी संख्या में मौतें हो रही हैं। एक्यूआई लगातार 400 से अधिक रहने पर हवा लोगों, खासकर बच्चों के लिए बहुत जहरीली हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह के समय तापमान कम रहने से प्रदूषणकारी तत्व जमीन के आसपास ही हवा में मौजूद रहते हैं जिससे बच्चों में संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है। ट्रैफिक से बच्चों में फेफडे का संक्रमण 25 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव गर्भस्थ शिशु पर भी पड़ता है, वह ऑटिज्म का शिकार हो सकते हैं, समय से पहले पैदा हो सकते हैं या गर्भपात का भी शिकार बन सकते हैं। वायु प्रदूषण बच्चों की समझने और सीखने की क्षमता पर भी बुरा असर डालता है। खदानों के आसपास रहने वाले बच्चों को तो रक्त कैंसर तक होने का काफी खतरा होता है।. संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष की विश्व बाल दिवस के अवसर पर जारी - बदलती दुनिया में बच्चों का भविष्य - विषयक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और तेजी से बदलती तकनीक के चलते अगले 25 सालों में बच्चों की जिन्दगी पर विपरीत असर पड़ सकता है। वर्ष 2050 तक दुनियाभर में बच्चों का जनसंख्या अनुपात भी घट जायेगा। बीती 18 नवंबर को दिल्ली, लखनऊ और अनेक शहरो में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के घातक स्तर के पार पहुंच गया और दिल्ली के कुछ इलाकों में तो यह 980 के आसपास दर्ज किया गया। परिणामस्वरूप दिल्ली और एनसीआर में सुप्रीम कोर्ट को छोटे बच्चों के स्कूल बंद करने और ऑनलाइन पढ़ाई करवाने का आदेश देना पड़ा। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि सरकारें लोगों को साफ हवा देने को बाध्य हैं। वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों में देरी से नाराज सुप्रीमकोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका, और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना केंद्र और राज्य सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। सुप्रीमकोर्ट ने प्रदूषण को खतरनाक स्तर पर पहुंचने से रोकने के लिए ग्रैप-4 लागू करने में देरी पर दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता आयोग को फटकार लगाई। ग्रैप-4 प्लान के अंतर्गत एनसीआर, सरकार-जीएनसीटीडी, सार्वजनिक, नगर पालिका, निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता पर काम करने का निर्णय लेने, शिक्षण संस्थानों को बंद कराने, वाणिज्यिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने, वाहनों के सम-विषम संचालन, निर्माण कार्यों पर पाबंदी लगाने जैसे उपाय शामिल हैं। कोर्ट ने एनसीआर के सभी राज्यों को प्रदूषण कम करने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप-4) को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए तुरंत टीमें गठित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने राज्यों को ऐसा तंत्र बनाने का निर्देश दिया जिसके जरिये ग्रैप-4 के उल्लंघन की शिकायतें की जा सकें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एक्यूआई 400 से नीचे आने पर भी ग्रैप-4 के अंतर्गत लागू प्रतिबंधों को उसकी अनुमति के बगैर हटाया नहीं जायेगा। सुप्रीमकोर्ट के सख्त आदेशों के बाद सक्रियता दिखाते हुए लखनऊ में नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों और नगर अभियंता को ग्रेडेड स्पिांस प्लान (ग्रैप-4) लागू कर प्रदूषण रोकने के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन सख्ती से कराने के निर्देश दिये, खुले में पड़े मलबे को तत्काल उठवाने, निर्माण सामग्री और भवन निर्माण, निमार्णाधीन भवनों, परियोजना, गहरी खुदाई को ग्रीन नेट से कवर करना अनिवार्य करने और ऐसा न करने पर जुमार्ना लगाने तथा सड़कों की धूल पर स्प्रिंकल से पानी का छिड़काव करवाने को कहा गया है। लखनऊ के ग्रामीण इलाकों में भी पराली जलाने के 38 मामले सामने आये जिनमें से काकोरी में एक में संबंधित व्यक्ति पर 5 हजार रुपये का जुमार्ना लगाने की कार्रवाई की गई तथा दो को नोटिस दिया गया है। अन्य मामलों में भी सख्त कार्रवाई के आदेश जिलाध्किारी ने दिये हैं। भारतीय मौसम विभाग के पूर्व निदेशक के. जे. रमेश कहते हैं कि सूखे पत्तों, व गोबर के कंडों का ईंधन के रूप में इस्तेमाल तत्काल बंद होना चाहिए, पहाड़ के रूप में जगह-जगह जमा कूड़े के ढेर हटाएं जायें, घरों के कचरे के निस्तारण के लिए उनके असपास ही ट्रीटमेंट प्लांट लगाये जायें, वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण को भी रोकने के लिए हर संभव उपाय करने होंगे, सड़कों पर से डीजल वाहनों को हटाना जरूरी है, कार पूलिंग आदि करके, निजी की जगह सार्वजनिक वाहनों का अधिक प्रयोग करने जैसे तमाम उपाय अपना करके वाहनों के प्रदूषण को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। रमेश जी का यह भी सुझाव है कि सर्दियों में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, आदि के हिस्सों में स्थापित कोयला आधारित बिजली घरों को बंद कर देने से दिल्ली में बाहर से आने वाले वायु प्रदूषण को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सता है। वायु प्रबंधन आयोग भी राज्यों के सहयोंग करने पर ही कुछ कर सकेगा। जो भी हो वायु प्रदूषण अब जिस कदर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, उससे निपटने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जरूरी हो गये हैं। जलवायु में लगातार आने वाला बदलाव और दिनोदिन बढ़ता वायु प्रदूषण दुनिया के तमाम देशों में जन स्वास्थ्य के लिए किस कदर खतरनाक साबित हो रहा है, यह विभिन्न अंतरांष्ट्रीय शोधों में लगातार सामने आता जा रहा है। इन शोधों के अनुसार जहां जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में बढ़ रहे तापमान और वायु प्रदूषण के चलते सदी के अंत तक हर साल तीन करोड़ से ज्यादा मौतें होने की आशंका है वहीं बच्चों के स्वास्थ्य के लिए तो अगले ढाई दशकों में ही जोखिम काफी बढ़ने व उनकी जनसंख्या का अनुपात घटने की आशंका जताई गई है। जर्मनी सिथत मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिस्ट्री के एक अंतर्राष्ट्रीय शोध में यह आशंका जताते हुए कहा गया है कि सदी के अंत तक वायु प्रदूषण से मौतों में पांच गुना तथा बढ़ती गर्मी से मौतों की संख्या सात गुना तक बढ़ जायेंगी। शोध विज्ञान पत्रिका न्यूज मेडिकल लाइफ साइंस में प्रकाशित इस अध्ययन में कहा गया है कि उपरोक्त कारणों से सदी के अंत तक दुनिया की 20 प्रतिशत आबादी यानि हर पांचवें व्यक्ति का स्वास्थ्य खतरे में होगा। अजरबैजान के बाकू में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन कॉप - 29 में अजरबैजान को छोड़कर दस्तखत करने वाले सभी देशों ने गत 21 नवंबर को विकासशील देशों के लिए नये जलवायु वित्त पैकेज के मसौदे को खारिज कर दिया जबकि संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने जलवायु परिर्वतन से निपटने के लिए विकासशील देशों को वित्तीय मदद देने के लिए वैश्विक एकता और महत्वाकांक्षा का आह्वान किया। स्टील का कहना है कि विफलता का कोई विकल्प नहीं है। भारत ने भी साफ कहा कि वह विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्त से ध्यान हटाकर ग्लोबल साउथ में उत्सर्जन में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के विकसित देशों के किसी भी प्रयास को मंजूर नहीं करेगा। भारत का कहना है कि वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण के संदर्भ में पर्याप्त सहयोग के बिना जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई गंभीर रूप से प्रभावित होगी। जलवायु परिवर्तन की वजह से प्राकृतिक आपदाएं बहुत अधिक आ रही हैं। भारत ने सम्मेलन में अमीर देशों का आह्वान किया कि वे विकासशील देशों को जलवायु वित्त पोषण देने के वादे को पूरा करें। थिंक टैंक जर्मनवॉच, न्यू क्लाईमेट एक्शन और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल की ओर से जारी सूचकांक में प्रगति के आकलन के अनुसार भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने में प्रगति करने वाले देशों की सूची में फिसल कर दो पायदान नीचे खिसक गया है लेकिन प्रति व्यक्ति कम उत्सर्जन और हरित ऊर्जा स्त्रोतों को अपनाने के कारण वह अब भी शीर्ष - 10 की सूची में बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती गर्मी से ग्रीनलैंड के पिघलते ग्लेशियरों से दुनियाभर में तबाही मच सकती है। साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पिघलते ग्लेशियरों के ताजे पानी की धाराएं समुद्र के खारे पानी में तेजी से मिल रही हैं। ग्लेशियर पिघलने से पानी के बढ़ते स्तर से अटलांटिक महासागर की धाराएं अनियंत्रित हो रही हैं। इसका असर अन्य महासागरों पर भी पड़ना निश्चित है। नेशनल क्लाइमेट चेंज पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में भी चेताया गया है कि सदी के अंत यानि 2100 तक समुद्र का स्तर एक मीटर तक बढ़ जायेगा जिससे नॉरफद्धॉक, वर्जीनिया से मियामी, फ्लोरिडा तक दक्षिण-पूर्वी अटलांटिक तट पर रहने वाले 1.4 करोड़ लोगों के लिए जोखिम बढ़ जायेगा।

धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद से आखिर किसे है दिक्कत?

डॉ. दीपक पाचपोर

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोमवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया गया जिनमें मांग की गयी थी कि संविधान की प्रस्तावना से श्धर्मनिरपेक्षताश और समाजवाद शब्दों को हटा दिया जाये। 22 नवम्बर को इस सन्दर्भ में दाखिल कई याचिकाओं पर दिये गये निर्णय को सुरक्षित रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना एवं जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ये दोनों शब्द संविधान की बुनियाद हैं। उल्लेखनीय है कि 1949 में जब यह संविधान स्वीकृत किया गया था, तब ये शब्द उसकी प्रस्तावना में नहीं थे। उन्हें इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1976 में 42वें संशोधन के जरिये जोड़ा गया था। हालांकि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के तत्व हमारे संविधान की आत्मा में किसी न किसी प्रकार से निहित थे ही। जस्टिस खन्ना का यह अवलोकन बहुत प्रासंगिक व सटीक है कि भारतीय सन्दर्भों में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के रूप में समाजवाद को देखा जाना चाहिये। संविधान लागू होकर 7 दशक से ज्यादा का वक्त निकल गया है, फिर भी धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद के गुणों को संविधान के विभिन्न प्रावधानों एवं व्यवस्थाओं के माध्यम से देश की प्रशासकीय प्रणाली और सार्वजनिक जीवन में समाहित किया गया है। इतने सालों के बाद अगर कोई तत्व इसमें फेरबदल करना चाहते हैं तो उनकी शिनाख्त जरूरी है, तथा यह भी समझ लेना आवश्यक है कि आखिर उनका मकसद क्या हो सकता है। अगर पहले धर्मनिरपेक्षता की बात करें तो ऐसा कहना कतई गलत नहीं होगा कि संविधान निर्माताओं को यह बात बहुत अच्छे से पता था कि विविध धर्मों और मान्यताओं वाले इस देश को अगर एक सूत्र में पिरोकर रखना है और सभी नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को बरकरार रखना है तो राज्य को चाहिये कि वह सभी धर्मों से एक सी दूरी बनाकर रखे। राज्य का खुद का कोई धर्म नहीं होगा लेकिन वह सभी लोगों की धार्मिक आजादी को सुनिश्चित करेगा। यही एक व्यवस्था है जो इन दोनों जरूरतों को एक साथ पूरा कर सकती है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से होकर गुजरने वाले राष्ट्र निर्माताओं ने देखा भी था कि धार्मिकता ने देश का कितना नुकसान किया था। इसलिये महात्मा गांधी समेत तमाम वे बड़े नेता, जिन्होंने आजादी के बाद देश की कमान सम्हाली थी, संविधान का चरित्र धर्मनिरपेक्ष ही रखना चाहते थे। ये शब्द चाहे संविधान लागू होने के तकरीबन 25 वर्ष बाद जुड़े हों लेकिन उसमें प्रदत्त मूलभूत अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से साफ है कि वे उसका स्वरूप प्रारम्भ से ऐसा ही चाहते थे। 42वें संशोधन को तो स्पष्टोक्ति मात्र ही कहा जाना चाहिये। जब संविधान का धर्मनिरपेक्षता का स्वरूप ही एक वर्ग और विचारधारा को पसंद नहीं आया था, तो प्रस्तावना में उसे जोड़ा जाना तो उन्हें नागवार गुजरना ही था। कौन सा है वह वर्ग और कौन हैं ये लोग? निश्चित ही वे लोग जो देश पर बहुसंख्यकवाद को थोपने में यकीन रखते हैं। उनके अनुसार भारत में बहुसंख्यक सम्प्रदाय ही श्रेष्ठ है और दूसरे दोयम दर्जे के हैं। उनके अनुसार नैसर्गिक रूप से बहुसंख्यकों को सारे संसाधनों और अवसरों का लाभ मिलना चाहिये जबकि अन्य का इन पर कोई हक नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत की पिछली सारी सरकारों ने इस सिद्धांत को ही स्वीकार किया कि देश सभी का है और सभी को यहां के संसाधनों—अवसरों का लाभ उठाने का एक जैसा अधिकार है। ये नामंजूर हुई याचिकाएं हों या इस सम्बन्ध में दिये जाने वाले चुनावी नारे एक बड़ी खाई बना चुके हैं। धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बोलना दोहरे उद्देश्यों को पूरा करता है। एक ओर तो ध्रुवीकरण होता है तो वहीं वह समाजवाद की धारणा को भी चुनौती देता है क्योंकि समाजवाद का आधार समानता का सिद्धांत है। हालांकि उसके बहुत से और भी आयाम हैं जो समाज के साथ—साथ देश के राजनीतिक एवं आर्थिक क्षितिजों का भी स्पर्श करते हैं। ऐसे ही, समाजवाद को लेकर बड़ी भ्रांतियां हैं। भ्रांति से भी ज्यादा नासमझी है। भारतीय प्रणाली में समाजवादी सिद्धांत का समावेश मूलतरू प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की देन कही जा सकती है। यूरोप में उच्च शिक्षा ग्रहण करने तथा उसके बाद सार्वजनिक जीवन में काम करने के दौरान उन्हें यूरोपीय समाजवाद के अध्ययन का मौका मिला था। गांधी के असर और आजादी के संघर्ष के दौरान देश को करीब से उन्हें जानने का जो मौका मिला, सम्प्रभु भारत में उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था को लागू किया। वरना उन्हें साम्यवाद अधिक आकृष्ट करता था लेकिन उन्हें कालांतर में समाजवाद की यह खूबी नजर आई होगी कि समानता में राज्य की भूमिका अहम है। इसलिये उन्होंने शासकीय व्यवस्था को उसी के अनुरूप ढाला था। लम्बी गुलामी से विपन्न हो चुके भारत के कायाकल्प में समाजवाद ने बड़ी भूमिका निभाई—चाहे वह आधी—अधूरी ही अपनाई गयी हो। देश में पूंजीवाद के खिलाफ तनकर जो विचारधाराएं खड़ी रही उनमें साम्यवाद के अलावा समाजवाद ही था। भारतीयों को कम्युनिस्ट विचारधारा कुछ ज्यादा ही लाल लगती रही है। इसलिये समाजवाद उन लोगों की पहली पसंद थी जो कांग्रेस और नेहरूवियन दर्शन को नापसंद करते थे। हालांकि संसद के शुरुआती दौर में साम्यवादी सांसद ही उनके प्रमुख विरोधी हुआ करते थे। जो लोग धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ होते हैं, वे अपने आप समाजवाद के भी विरोध में दिखाई देंगे क्योंकि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के साफ अंतर्संबंध हैं। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में जो याचिकाएं लगाई गई थीं (जिन्हें न्यायालय ने अस्वीकृत किया है) उनमें इन्हीं दो शब्दों (धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद) का विरोध है। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद दोनों ही समानता में विश्वास करते हैं जिससे एक वर्ग का दोनों से एक साथ विरोध हो जाता है। 2014 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई और उसने दो और चुनाव जीतकर सरकारें बनाई हैं, तो ऐसे तत्वों के हौसले बुलन्द हैं। हालांकि इन याचिकाकर्ताओं में सुब्रमण्यम जैसे लोग भी हैं जो कहने को तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरोधी हैं लेकिन कट्टरता में उनके एकदम समांतर हैं। ऐसे लोगों का भरोसा भारत को एक मजहब विशेष की पहचान वाला देश बनाने में है। उसकी शुरुआत धर्मनिरपेक्षता का विरोध करने से होती है। बताया यह जाता है कि अब तक, खासकर कांग्रेस के राज में मुस्लिम तुष्टीकरण होता रहा है। सभी धर्मों के साथ एक जैसा व्यवहार और सबसे एक जैसी दूरी के सिद्धांत को गलत ढंग से पेश किया जाता है। दरअसल यह एक धर्म विशेष तथा उनके अनुयायियों के प्रति घृणा फैलाने का उपकरण बन गया है। इसकी पराकाष्ठा एक ओर नेहरू के पुरखों को मुस्लिम बताया जाना है, तो दूसरी ओर 11 वर्षों तक शासन करने के बाद मोदी लोगों को यह कहकर डराते हैं कि कांग्रेस की सरकार आई तो महिलाओं के मंगलसूत्र और मवेशी मुसलिमों को दे दिये जायेंगे। वैसे शीर्ष न्यायालय के इस फैसले के बाद यह बहस बन्द हो जानी चाहिये और सरकार को भी आश्वस्त करना चाहिये कि ये शब्द नहीं हटेंगे, लेकिन सम्भवतरू ऐसा नहीं होगा क्योंकि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद दोनों ही नये निजाम की आँखों में न केवल चुभते हैं ।

बल्कि अब ये दोनों शब्द ध्रुवीकरण करने, पूर्ववर्ती शासकों को बदनाम करने और चुनाव जीतने के उपकरण बनकर रह गये हैं। इसलिये इन शब्दों के खिलाफ याचिकाएं दायर कराई जाती हैं अथवा लोगों को भड़काया जाता है— जिस प्रकार आरक्षण खत्म करने या संविधान बदलने की बातें होती हैं।

परिजनों को खाने में नींद की गोली मिलाकर युवती प्रेमी के साथ भागी, 5 दिसम्बर को थी शादी

सैफई क्षेत्र में एक गांव में हुई घटना, युवती नगदी व जेवर लेकर भागी

सैफई (इटावा) सैफई थाना क्षेत्र के एक गांव की एक युवती रागिनी

पुत्री जयवीर सिंह (काल्पनिक नाम) उम्र लगभग 18 वर्ष अपने परिवारीजनों को खाने में नींद की गोली देकर भाग गयी। परिजनों का आरोप है कि युवती को गांव का एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया। युवती के पिता ने थाना सैफई में शिकायत की है। युवती की दिनाँक 5 दिसम्बर को शादी थी लगभग सभी तैयारी पूरी हो चुकी थी शादी के कार्ड बंट चुके थे। युवती के पिता ने बताया कि अपनी पुत्री की शादी की पूर्ण रूप से तैयारी कर ली थी। पुत्री की शादी के लिये श्री भगवानजी महाराज विराजमान मन्दिर, धर्मशाला कैस्त जसवन्तनगर, इटावा को बुक किया था। दिनाँक 26/11/2024 की शाम को खाने में नीद की गोली गांव के एक युवक ने बहला फुसलाकर मेरी बेटी द्वारा मिलवा दी जिससे पूरा परिवार गहरी नीद में सो गया। दिनाँक 27/11/2024 को सुबह करीब 5 बजे उक्त युवक मेरी पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले गया। सुबह करीब 9 बजे जब पूरा परिवार जागा तो मैं व मेरी पत्नी ने देखा कि घर में मेरी पुत्री नहीं है। इसके बाद पता चला कि गाँव का एक परिवार के सभी सदस्य घर से भाग गये है। पीड़ित बाप ने बताया कि मेरी पुत्री घर में रखे नब्बे हजार रुपये व एक सोने की चौन व 2 सोने की अंगूठी साथ में लेकर गयी है। थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

राज्यसभा में विपक्ष पर भड़के सभापति धनखड़

30 वर्षों में कभी इतने स्थगन प्रस्ताव नहीं मिले : धनखड़

नई दिल्ली। गौतम अदाणी के मुद्दे पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है और संसद की शीतकालीन सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। बुधवार को भी विपक्ष के हंगामे के चलते संसद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को विपक्ष के रवैये पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि उच्च सदन के सदस्यों को सदन की परंपरा का पालन करने की जरूरत है। स्थगन प्रस्ताव को लेकर नाराज हुए सभापति दरअसल बुधवार को विपक्ष के कई सांसदों ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया। जब उच्च सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरा हमेशा इस बात पर जोर होता है कि उच्च सदन की स्थापित परंपराओं का पालन किया जाए। राज्यसभा सभापति के फैसले का सम्मान करने की जरूरत है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज कुंद्रा के करीबियों पर कार्रवाइ

कानपुर। सुबह-सुबह टीम कानपुर के अलावा, गोरखपुर और कुशीनगर ने छापा मारा है। गोरखपुर से ईडी के द्वारा एक युवक को हिरासत में लिए जाने की खबर है। युवक की पूछताछ की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और कारोबारी राज कुंद्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उत्तर प्रदेश में अलग-अलग जगह छापा मारा। टीम यहां राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम देखने वाले कर्मचारी और उनके करीबियों के ठिकानों पर गई। कानपुर के अलावा, गोरखपुर और कुशीनगर में भी छापेमारी की गई है। गोरखपुर से एक युवक को हिरासत में लेने की बात सामने आई है। मोबाइल एप के जरिए अश्लील सामग्रियों को तैयार करने और प्रसारित करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यह कार्रवाई की है। कानपुर में शुक्रवार की सुबह ईडी ने श्याम नगर में छापेमारी की। यहां रहने वाले नर्वदा

श्रीवास्तव का बड़ा बेटा अरविंद श्रीवास्तव, जो कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग करने के बाद से बाहर जॉब कर रहा था। अरविंद्र श्रीवास्तव पत्नी हर्षिता श्रीवास्तव के साथ सिंगापुर में रहता है। अरविंद्र श्रीवास्तव सिंगापुर में रहकर राज कुंद्रा प्रोडक्शन का काम संभालता था। बताया जा रहा है कि टीम यहां मुंबई पुलिस के द्वारा 2021 में दर्ज हुए केस की जांच करने पहुंची थी। उधर, प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गोरखपुर और कुशीनगर में भी छापा मारा है। यहां भी आशंका जताई जा रही है कि मुंबई के पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में ये छापा मारा गया है। यहां पडरौना के वार्ड नंबर छह में सॉफ्टवेयर कंपनी से जुड़े श्रीवास्तव परिवार के यहां टीम ने छापा मारा है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। इसके बाद गोरखपुर सेंटर में टीम जांच का रही है। गोरखपुर से ही टीम ने एक गिरफ्तारी भी की है। बताया जा रहा है कि ये छापा भी राज कुंद्रा के साथ जुड़े नेटवर्क की जांच को लेकर मारा गया है।

राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने सैफई मेडिकल कश्वलेज में इमरजेंसी वार्ड में जाना मरीजों का हाल

(इटावा एक्सप्रेस सुघर सिंह सैफई)

सैफई (इटावा) उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में उत्तर प्रदेश सरकार के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने इमरजेंसी वार्ड में जाकर मरीजों का हाल–चाल जाना और उन्होंने इमरजेंसी वार्ड की सुविधाओं के संदर्भ में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों से बात की और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। मंत्री द्वारा ने अन्य वार्डो का भी भ्रमण किया तथा उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर पर जाकर भी जानकारी ली व एक्स–रे और सीटी स्कैन कक्ष का भी निरीक्षण किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ एसपी सिंह ने बताया कि मंत्री ने ओपीडी में जाकर मरीजों से बात की और उन्होंने दिशा निर्देश दिए कि ओपीडी में किस कक्ष में कौन सा डॉक्टर बैठता है इस संदर्भ में विशेष बोर्ड तैयार करवा कर पार्किंग एरिया और संस्थान के सभी एंट्रेंस गेट व अलग–अलग प्रमुख स्थानों पर लगवाए जाएं जिससे कि जो भी मरीज दिखाने आए उसे सही सूचना आसानी से मिले और वह स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी अवनीश राय ,भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत, पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया एवं संस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारी व सीनियर्स डॉक्टर्स व स्टाफ उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की ली गई सलामी

इटावा एक्सप्रेस फिरोजाबाद

शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए पुलिसकर्मियों को लगवाई गयी दौड़ ।अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार करवाई गयी ड्रिल की कार्यवाही ।परेड के पश्चात एसएसपी द्वारा द्वारा किया गया पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं का निरीक्षण ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित द्वारा पुलिस लाइन फिरोजाबाद में शुक्रवार परेड की सलामी ली गयी । तत्पश्चात महोदय द्वारा परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु परेड ग्राउण्ड में दौड़ लगवाई गयी साथ ही टोलीवार पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चौक करते हुए सम्पूर्ण ड्रिल की कार्यवाही करवाई गयी । साथ ही दंगा नियंत्रण बलवा मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया गया ।परेड के पश्चात महोदय द्वारा पुलिस लाइन क्वार्टर गार्ड, लाइब्रेरी, कैंटीन, स्टोर, परिवहन शाखा, भोजनालय, आटाचक्की, बारबर शॉप, पुलिसकर्मियों के बैरक साथ ही निर्माणाधीन बिल्डिंगों आदि का निरीक्षण किया गया एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये । इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर / ग्रामीण, समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन फिरोजाबाद व अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे

प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमियों ने प्रेमिकाओं को चाकू से किया जानलेवा हलमा

इटावा में दो दिनदहाड़े चाकू मारने की हुई वारदात, दो अलग अलग जगहों पर दिया गया घटना को अंजाम

इटावा में दिनदहाड़े दो थाना क्षेत्र कोतवाली और थाना क्षेत्र इकदिल में चाकू मारने की वारदात से फैली सनसनी, इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत मानिकपुर विशु में युवक द्वारा 17 वर्षीय किशोरी पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में ऐसी ही सामने आई जहां पर भी एक युवक द्वारा 18 वर्षीय किशोरी को धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया गया । फिलहाल दोनों ही मामले एक तरफा प्रेम के बताए जा रहे है और दोनों ही मामलों में दोनों युवकों को पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेजने की कार्यवाही की है।

शरीर खुद से ही बना लेता है ये तीन बीमारियां, चाह कर भी नहीं कर सकते बचाव; आप भी तो नहीं हैं शिकार?

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का खतरा रहता है। अगर आपके भोजन में पौष्टिक चीजों की कमी है, आप शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं या आपमें कुछ बीमारियों की फैमिली हिस्ट्री रही है तो भविष्य में आपमें भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है, ये बाहरी कारक हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। पर क्या आपको पता है कि हमारा शरीर खुद से ही कुछ बीमारियां बना लेता है, भले ही आपकी लाइफस्टाइल और दिनचर्या ठीक हो। कहीं आप भी तो इस तरह की दिक्कतों के शिकार नहीं हैं? ये सुनने में भले ही अजीब लग रहा हो पर आपके शरीर की ही गलती से आप कुछ बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। इस तरह की बीमारियों को ऑटोइम्यून डिजीज कहा जाता है। ऑटोइम्यून डिजीज तब होती है जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं, ऊतकों और अंगों पर अटैक कर देती है। इससे शरीर में इंफ्लामेशन होने का जोखिम बढ़ जाता है जिसके कारण कई प्रकार की बीमारियों का जोखिम हो सकता है।

ऑटोइम्यून डिजीज के बारे में जानिए

जैसा कि बताया गया है कि ऑटोइम्यून डिजीज, शरीर खुद से ही बना लेता है, ऐसे में सभी लोगों को इसके बारे में जानकारी होना जरूरी है। अध्ययनों से पता चलता है कि ऑटोइम्यून बीमारियां 80 से अधिक प्रकार की हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, न तो इन बीमारियों का कोई इलाज है और न ही आप चाह कर भी इसे रोक सकते हैं। जिन लोगों में इन समस्याओं का निदान किया जाता है, उनके उपचार में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए दवाइयां और सहायक चिकित्सा दी जाती है।

टाइप-1 डायबिटीज

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है जिसका खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता जा रहा है। टाइप-2 डायबिटीज बहुत कॉमन है जिसके लिए फैमिली हिस्ट्री, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि टाइप-1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून डिजीज है? जब हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली स्वयं ही अग्न्याशय की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को नष्ट करने लगती है, तब ये बीमारी होती है। बच्चों में इसका निदान सबसे ज्यादा किया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस डायबिटीज के शिकार लोगों को जीवनभर इंसुलिन लेते रहने की आवश्यकता हो सकती है। इसकी जटिलताएं और लक्षण भी बिल्कुल उसी तरह होते हैं जैसे टाइप-2 के।

रूमेटाइड अर्थराइटिस

गठिया भी बहुत आम समस्या है जिसका जोखिम वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा है। ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे गठिया के मामले शारीरिक निष्क्रियता और कुछ अन्य कारकों के कारण हो सकते हैं, हालांकि रूमेटाइड अर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून डिजीज है। रुमेटाइड आर्थराइटिस एक क्रोनिक (लंबे समय तक चलने वाली) ऑटोइम्यून बीमारी है जो ज्यादातर जोड़ों को प्रभावित करती है। जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अपने ही शरीर के ऊतकों पर हमला कर देती है, तो इसके कारण ये समस्या हो सकती है। इस बीमारी के कारण जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और कार्यक्षमता में कमी आती है। गंभीर स्थितियों में चलना और उठना तक भी मुश्किल हो जाता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्क्लेरोसिस भी एक ऑटोइम्यून बीमारी है ये तब होती है जब शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं के सुरक्षात्मक आवरण पर अटैक कर देती है। इस स्थिति के कारण रोगी को देखने में समस्या, चलने में परेशानी, मांसपेशियों में कमजोरी, सुन्नता-झुनझुनी, थकान-चक्कर आने, शरीर में अकड़न, कंपन, दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। ये समस्या वैसे तो सभी उम्र के लोगों में देखी जाती है लेकिन वयस्कों और महिलाओं में अधिक आम है।

संविधान दिवस पर संवैधानिक जागरूकता गोष्ठी

रानीगंज (प्रतापगढ़)। स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीगंज, प्रतापगढ़ में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में *संवैधानिक जागरूकता* के तहत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार एवं डॉ. कंचन के कुशल संयोजन में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सभी शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किया। डॉ.गंगाराम, असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास्त्र ने संविधान की उद्देशिका, प्रस्तावना एवं संविधान के महत्व और वैधानिक प्रावधान, डॉ. कंचन, एसोसिएट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, पंथनिरपेक्षता, डॉ. नीलिमा सिन्हा ने संप्रभुता संपन्न समाजवादी गणराज्य, डॉ. शालिनी कुशवाहा, असिस्टेंट प्रोफेसर कॉमर्स ने छात्र-छात्राओं को प्रजातांत्रिक देश में समता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के महत्व के बारे में बताया। डॉ. ज्योति शुक्ला, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. धर्मेंद्र कुमार पाल, एवं डॉ. आलोक रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार मिश्रा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में संविधान की उद्देशिका के अंतर्गत सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षक शिक्षिकाओं एवं अन्य समस्त कर्मचारियों की उपस्थिति में संविधान दिवस के अवसर पर *संविधान प्रस्तावना शपथ ग्रहण* करवाया गया जिसके माध्यम से सभी छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय के समस्त कर्मचारियों को भारतीय संविधान के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफेसर मंजू लता ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

एशियाई देशों में अकेले इस बीमारी के कारण हर साल हो रही हैं करीब पांच लाख मौतें

दुनियाभर में जिन बीमारियों के कारण हर साल स्वास्थ्य क्षेत्र पर दबाव बढ़ता जा रहा है, डायबिटीज और हृदय रोग उनमें शीर्ष पर हैं। मंगलवार (26 नवंबर) को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक रिपोर्ट में डायबिटीज और इसके कारण होने वाली मौतों को लेकर चिंता जाहिर की है। स्वास्थ्य संगठन ने कहा, भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया में हर साल 482,000 से अधिक मौतें मधुमेह के कारण हो रही हैं। वैसे तो दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों ने डायबिटीज के प्रबंधन की दिशा में बेहतर काम किया है, हालांकि रोकथाम को बढ़ावा देने और इस रोग को नियंत्रित करने के लिए अभी भी बेहतर कदम उठाने की आवश्यकता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन : अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

पाएं हेल्दी और मॉइश्चराइज्ड त्वचा

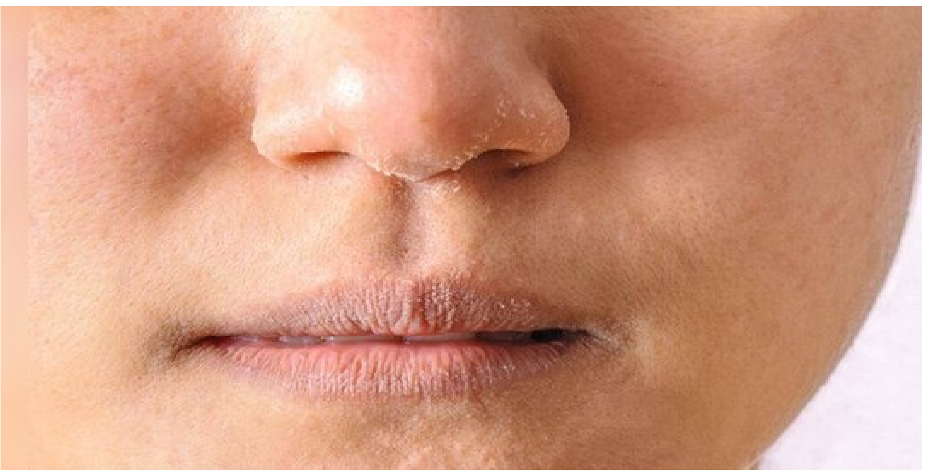

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण अक्सर हमारी त्वचा सूखी और रूखी हो जाती है। इस समय स्किन को सही देखभाल की जरूरत होती है, और अगर आप अपने चेहरे की नमी को लंबे समय तक बनाए रखना चाहते हैं, तो घरेलू नुस्खे बेहद फायदेमंद हो सकते हैं। बाजार में मिलने वाले लोशन और क्रीम कुछ समय के लिए मदद करते हैं, लेकिन उनकी नमी जल्दी खत्म हो जाती है। इसलिए घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक तरीके से हाइड्रेट रखें।

केला और वैसलीन का उपयोग

सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन की समस्या आम है, लेकिन इसे हल करने के लिए केला और वैसलीन का उपयोग एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। केला पोषक तत्वों से भरपूर होता है और त्वचा को गहराई तक मॉइश्चराइज करने में मदद करता है, जबकि वैसलीन त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाकर नमी को लॉक करता है। इस उपाय को अपनाने के लिए आधे पके केले को छीलकर एक कटोरी में मैश करें। इसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करें और चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह नुस्खा त्वचा को गहरी नमी देता है, जिससे त्वचा न केवल हेल्दी रहती है, बल्कि अधिक मुलायम और चमकदार भी बनती है। इसे हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करें, ताकि ड्राई स्किन से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सके।

ग्लिसरीन और गुलाब जल का इस्तेमाल

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का संयोजन बेहद असरदार साबित होता है। गुलाब जल त्वचा को ताजगी प्रदान करता है, जबकि ग्लिसरीन त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद करता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए एक स्प्रे बोतल लें और उसमें 2 चम्मच ग्लिसरीन और 2 चम्मच गुलाब जल डालें। इसे अच्छे से मिक्स करें ताकि यह एक टोनर की तरह काम करे। इस टोनर को दिन में 2 बार अपने चेहरे पर स्प्रे करें। यह न केवल त्वचा को हाइड्रेट रखेगा, बल्कि त्वचा के पोर्स को भी लॉक करेगा, जिससे ठंडी हवा का असर आपकी त्वचा पर नहीं पड़ेगा। नियमित उपयोग से आपकी स्किन नर्म, मुलायम और शाइनी बनी रहेगी। इसे खासतौर पर सोने से पहले इस्तेमाल करना अधिक लाभकारी होता है।

मुल्तानी मिट्टी और घरेलू मिश्रण

मुल्तानी मिट्टी का नाम सुनते ही अक्सर ऑयली स्किन की देखभाल का ख्याल आता है, लेकिन यह ड्राई स्किन के लिए भी एक शानदार उपाय है।

'अजीब गेंदबाजी एक्शन बुमराह को पूरा पैकेज बनाता है', स्टीव स्मिथ ने भारतीय गेंदबाज की तारीफ की

मेलबर्न। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैंग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का विचित्र गेंदबाजी एक्शन और असाधारण कौशल उन्हें संपूर्ण पैकेज बनाता है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तानी करते हुए बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट लिए और प्लेयर आफ द मैच चुने गए। स्मिथ ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, 'उनके रन अप की शुरूआत से ही उसका गेंदबाजी एक्शन अजीब है। वह अलग ही तरह से दौड़ता है और उसके एक्शन का आखिरी मूवमेंट भी विचित्र है। मैंने उसका सामना काफी बार किया है और हर बार उसके खिलाफ क्रीज पर जमने में समय लगता है।' पहले टेस्ट की पहली पारी में स्मिथ को बुमराह ने ही आउट किया था। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि बुमराह जब गेंद को छोड़ते हैं तो दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाज से कम से कम एक फुट करीब होते हैं जिससे गेंद की लैंग्थ को पकड़ना मुश्किल हो जाता है। स्मिथ ने कहा, 'वह आपके करीब आकर गेंद छोड़ता है जिससे आपको समय ही नहीं मिल पाता। इसके अलावा वह गेंद को दोनो ओर से स्विंग करा सकता है। रिवर्स स्विंग, धीमी गेंद, अच्छे बाउंसर, उसके पास सब कुछ है। वह एक गेंदबाज के तौर पर पूरा पैकेज है।' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज डेमियन मार्टिन ने कहा, 'वह टर्मिनेटर है। उन्हें अपनी ताकत पता है और वह बल्लेबाजों की कमजोरियां ढूंढ लेते हैं। उनका रनअप लंबा नहीं है, लेकिन वह काफी चतुराई से गेंदबाजी करते हैं।' गुरुवार को भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलियाई संसद में वहां के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मुलाकात की थी। इस दौरान अल्बानीज ने भारतीय टीम के साथ मजेदार बातचीत में हिस्सा लिया। कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें टीम का परिचय दिया। अल्बानीज ने जसप्रीत बुमराह से कहा कि उनका अंदाज बाकी किसी भी गेंदबाज से काफी अलग है।

लाइव क्रिकेट मैच के दौरान 35 वर्षीय खिलाड़ी की मौत

क्रिकेट जगत में पसरा मातम, कैमरे में कैद हुई घटना

साभांजी। वीडियो में आखिरी कुछ सेकंड में देखा जा सकता है कि जैसे ही इमरान मैदान पर गिरे तो वहां मौजूद सभी खिलाड़ी उनकी तरफ दौड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। क्रिकेट में खिलाड़ियों को चोट लगना आम बात है। खिलाड़ी अक्सर चोटिल होते रहते हैं, लेकिन कई बार यह चोट इतनी गंभीर होती है कि खिलाड़ी की जान भी चली जाती है। ऑस्ट्रेलिया के फिलिप ूज ऐसी ही एक दुर्घटना का शिकार हुए थे। शेफील्ड शील्ड टूनार्मेंट के दौरान एक बाउंसर उनके सिर पर लगी थी और कुछ देर बाद ही वह मैदान पर अपना होश खो बैठे थे। उनकी मौत से क्रिकेट जगत सन्न रह गया था। इससे सीख कर आईसीसी ने क्रिकेट में खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए कई इंतजाम किए। कुछ और ऐसे वीडियो भी सामने आए, जिसमें खिलाड़ियों को गलत जगह चोट लगने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, अब महाराष्ट्र की जो घटना सामने आई है, उसमें खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा और कुछ ही देर में उसकी जान चली गई। महाराष्ट्र की है घटना यह घटना महाराष्ट्र के संभाजी नगर जिले में खेले गए एक क्रिकेट के मैच के दौरान की है। 35 साल के क्रिकेटर इमरान सिकंदर पटेल की जान दिल का दौरा पड़ने से चली गई। 28 नवंबर को गरवारे स्टेडियम में ये हादसा हुआ। मैच गरवारे में लकी बिल्डर्स एंड डेवलपर्स और यंग इलेवन के बीच चल रहा था। इमरान लकी टीम के कप्तान थे और सलामी बल्लेबाज के तौर पर बल्लेबाजी करने आए, लेकिन पिच पर कुछ समय बिताने के बाद उन्हें सीने और हाथ में काफी तेज दर्द हुआ। वह आधी पिच पर आकर हाथ को पैर पर रखकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने इसकी जानकारी अंपायरों और विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को दी। इसके बाद अंपायरों ने उन्हें मैदान से बाहर जाने की इजाजत दे दी। इमरान पवेलियन की ओर बढ़े ही थे कि मैदान पर ही बेहोश हो गए और कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। ये पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई, क्योंकि मैच का लाइव-स्ट्रीम किया जा रहा था। खिलाड़ी सिकंदर की तरफ दौड़े वीडियो में आखिरी कुछ सेकंड में देखा जा सकता है कि जैसे ही इमरान मैदान पर गिरे तो वहां मौजूद सभी खिलाड़ी उनकी तरफ दौड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

'कोहली ने खुद शतक नहीं बनाया, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने उन्हें मौका दिया', एलेन बॉर्डर का अजीबोगरीब बयान

मेलबर्न। पर्थ में पहले टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया था और रनों के अंतर से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान विराट कोहली के बल्ले पर अंकुश लगाने में उनकी टीम की असमर्थता पर निराशा जताते हुए कहा कि इससे मेजबान को पांच मैचों की सीरीज गंवानी पड़ सकती है। पिछले डेढ़ साल में एक भी टेस्ट शतक नहीं लगा सके कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में फॉर्म में लौटे और नाबाद 100 रन बनाए। भारत ने वह टेस्ट 295 रन से जीता था। बॉर्डर ने सेन रेडियो से कहा, 'जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने कोहली को शतक बनाने दिया, मैं बहुत निराश हूं। हम नहीं चाहते कि पूरी सीरीज में वह (कोहली) इस तरह आत्मविश्वास के साथ खेलें।' बॉर्डर ने कप्तान पैट कमिंस की रणनीति पर

भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में जूझते नजर आए कोहली को उन्होंने फॉर्म मे लौटने का मौका दिया। पूर्व सलामी बल्लेबाजी मैथ्यू हेडन ने भी कमिंस की आलोचना की। हेडन ने चैनल 7 से कहा, 'विराट कोहली को उसकी पारी की शुरूआत में ही आउट करना चाहिए था। फील्ड प्लेसमेंट ऐसे थे कि कोहली ने आसानी से रन बनाए, जबकि वह इससे पहले दबाव में थे।' उन्होंने कहा कि शॉर्ट गेंद डालने में भी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने देर की। उन्होंने कहा, 'यशस्वी शॉर्ट गेंद नहीं खेल पा रहे थे।। शायद पैट कमिंस को ऐसी गेंदों का प्रयोग पहले करना चाहिए था। पहली पारी में खराब प्रदर्शन से भारतीय टीम दबाव में थी, लेकिन अब वह खुलकर खेल रही है।' भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीता पर्थ में पहले टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया था और रनों के अंतर से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विराट ने अपना 30वां टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सातवां शतक बनाया। मैच में आठ विकेट लेने वाले कार्यवाहक कप्तान बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी।

ईपीएफओ को लेकर आया बड़ा अपडेट, ईपीएस-95 में सुधार कर सकती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। श्रम मंत्रालय अधिक पेंशन के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्यों को ज्यादा अंशदान की अनुमति दे सकता है। इसके लिए मंत्रालय कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) में सुधार करने पर विचार कर रहा है। फिलहाल ईपीएफओ के सदस्यों के वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता) का 12 प्रतिशत ईपीएफ खाते में जाता है। वहीं नियोक्ता के 12 प्रतिशत योगदान में से 8.33 प्रतिशत ईपीएस-95 में जाता है, जबकि शेष 3.67 प्रतिशत ईपीएफ खाते में जमा किया जाता है। श्रम मंत्रालय के एक सूत्र का कहना है कि, यदि सदस्य अपने ईपीएस-95 खाते में अधिक योगदान करते हैं तो उन्हें अधिक पेंशन मिलेगी। इसलिए, मंत्रालय ईपीएस में अधिक योगदान की अनुमति देने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। कर्मचारियों को संशोधित ढांचे के तहत पेंशन लाभ बढ़ाने के लिए ईपीएस-95 में योगदान करने की भी अनुमति दी जा सकती है। सूत्र ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा लाभ में सुधार के अलावा नरेन्द्र मोदी सरकार देश में रोजगार सृजन पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि अनुमान के अनुसार एक करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से तीन से छह नौकरियों का सृजन होता है। सूत्र ने बताया कि 4.19 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है और अनुमान है कि इससे 1.26 करोड़ से अधिक नौकरियां सृजित होंगी।

देश के बड़े आइसक्रीम ब्रांड के पूर्व प्रमोटरों के खिलाफ ईडी की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने एक बयान जारी कर कहा है कि उसने डेयरी कंपनी क्वालिटी लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तकों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 1.3 करोड़ रुपये नकद और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साक्ष्य जब्त किए हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत लगभग 6.5 करोड़ रुपये मूल्य की लग्जरी कारें और डीमैट खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने 1,400 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में डेयरी कंपनी क्वालिटी लिमिटेड के पूर्व प्रवर्तकों के ठिकानों पर छापेमारी के बाद 1.3 करोड़ रुपये नकद और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साक्ष्य जब्त किए हैं। जांच एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी के बयान के अनुसार, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत लगभग 6.5 करोड़ रुपये मूल्य की लग्जरी कारें और डीमैट खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। संघीय एजेंसी ने इस मामले में 27 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर में 15 स्थानों पर छापेमारी की थी, जिसमें संजय ढींगरा और सिद्धांत गुप्ता जैसे पूर्ववर्ती कंपनी के प्रमोटरों और निदेशकों के परिसरों के अलावा उनसे संबंधित कुछ शेल (कागजी) कंपनियों के परिसर भी शामिल थे। क्वालिटी लिमिटेड का परिसमापन (लिक्विडेशन) हो चुका है और अब यह नए मालिकों के पास है। ईडी का मामला सितंबर 2020 में सीबीआई की ओर से उक्त प्रमोटरों और क्वालिटी लिमिटेड के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है, जो दूध, आइसक्रीम और अन्य डेयरी उत्पादों के प्रसंस्करण और व्यापार में लगी हुई थी। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उक्त पूर्ववर्ती कंपनी ने अपने निदेशकों के माध्यम से बिक्री, खरीद, देनदारों और लेनदारों के बारे में गलत जानकारी देकर खातों में फजीर्वाड़ा और जालसाजी की और बाद में बैंकों के एक संघ से 1400.62 करोड़ रुपये की ₹धोखाधड़ी₹ की। ईडी के अनुसार जांच में पता चला कि आरोपियों ने बिक्री और देनदारियों को ₹अधिक₹ दिखाने के लिए खातों में ₹हेरफेर₹ की। एजेंसी के अनुसार, ₹फैक्ट्री परिसर में माल की वास्तविक डिलीवरी या रसीद के बिना ही भारी मात्रा में व्यापार (बिक्री और खरीद) किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि फर्जी कंपनियों की ओर से फर्जी मालिकों के माध्यम से ऋण लिया गया, लेकिन ऐसे धन का उपयोग पूर्ववर्ती क्वालिटी लिमिटेड के निदेर्शों के अनुसार किया गया। ईडी ने आरोप लगाया, ₹उक्त कार्यप्रणाली के माध्यम से डायवर्ट की गई धनराशि को उसके स्रोत को छिपाने के लिए प्रसारित और स्तरित किया गया तथा प्रमोटरों के निदेर्शानुसार विभिन्न खातों में भेजा गया।

ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल संग कैमरे में कैद हुई उर्वशी रौतेला

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी एक से बढ़कर एक तस्वीरों से गुलजार है। अभिनेत्री ने ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल के साथ ताजा तस्वीरें शेयर की हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर रितेश अग्रवाल के साथ ताजा तस्वीरें शेयर कर उर्वशी रौतेला ने कैप्शन में लिखा ह्यइंडिया ग्लोबल फोरम अफ्रीका 2024 के लिए शुभकामनाएं रितेश अग्रवाल ह्व इसके साथ ही उन्होंने हैशटैग के साथ प्यार, उर्वशी रौतेला, टॉलीवुड, हॉलीवुड, बॉलीवुड, 2024 भी लिखा। तस्वीरों में उर्वशी अपने ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं। आसमानी को-ऑर्ड में हेट स्टोरी अभिनेत्री ने अपने लुक को और भी स्टाइलिश बनाने के लिए काले रंग का चश्मा पहना। वहीं, रितेश कैजुअल आउटफिट में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर भी कई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें से एक में वह अपनी मां के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री मां और भाई के साथ एक मंदिर में पूजा करती नजर आ रही हैं। बता दें कि 25 नवंबर से इंडिया ग्लोबल फोरम के प्रमुख मध्य पूर्व और अफ्रीका 2024 का कार्यक्रम दुबई में आयोजित है। इंडिया ग्लोबल फोरम अफ्रीका 2024 में राजनेताओं के साथ कारोबारी हस्तियों के साथ ही कई मशहूर हस्तियां भी शामिल होंगी। इस बीच उर्वशी रौतेला के वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी ने हिंदी फिल्मों में सिंह साब द ग्रेट से डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ लीड रोल में सनी देओल थे। इसके बाद रौतेला ने यो यो हनी सिंह के अलबम वीडियो लव डोज में नजर आई थीं। उर्वशी हिंदी फिल्मों के साथ ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी एक्टिव हैं। उर्वशी रौतेला के अन्य फिल्मों में ग्रेट ग्रैंड मस्ती, सनम रे, पागलपंती, हेट स्टोरी 4 में भी काम कर चुकी हैं। उर्वशी रौतेला ने ऋतिक रोशन और यामी गौतम स्टारर काबिल में सारा जमाना हसीनों का दिवाना पर डांस किया था।

सलमान की सेहत पर सुरक्षा इंतजामों का बुरा असर, सार्वजनिक रूप से कहीं भी जाने की मनाही जारी

सलमान खान अपनी सेहत पर काफी ध्यान देते हैं लेकिन अब वह ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। इसकी वजह उनके चारों तरफ बढ़ाई गई अतिरिक्त सुरक्षा है। फिल्म अभिनेता सलमान खान की सेहत पर उनके चारों तरफ बढ़ाई गई अतिरिक्त सुरक्षा का असर दिखने लगा है। वह अपने पनवेल फार्म हाउस पर भी खेती किसानी का काम अब नहीं कर पा रहे हैं और न ही सुबह उठकर कहीं भी लंबी सैर के लिए निकल रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग के बाद से उनका वजन करीब ढाई किलो बढ़ चुका है और इसके चलते उनकी नई फिल्मों की शूटिंग शेड्यूल पर भी इसका असर दिख रहा है। मुंबई पुलिस के सूत्र बताते हैं कि बीते शुक्रवार फिर से रिलीज हुई फिल्म 'करण अर्जुन' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए इसके निर्देशक राकेश रोशन ने तैयारियां की थीं। इस खास स्क्रीनिंग के लिए राकेश रोशन फिल्म के दोनों हीरो सलमान खान और शाहरुख खान को एक साथ लाना चाहते थे। इस बारे में दोनों से बात भी की गई लेकिन मुंबई पुलिस की अनुमति न मिलने के चलते ये स्क्रीनिंग रद कर दी गई। सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रहने को कहा जानकारी के मुताबिक सलमान खान को मुंबई में किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रहने को कहा गया है। माना जा रहा है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कुछ गुर्गे अब भी मुंबई में सक्रिय हैं। इस बात को लेकर भी खास एहतियात बरती जा रही है कि सलमान के आते-जाते उनके काफिले के साथ कौन-कौन सी गाड़ियां नियमित रूप से रहती हैं और कहीं कोई व्यक्ति या वाहन उनका पीछा तो नहीं कर रहा। आसूचना ब्यूरो की एक इकाई खास रूप से सलमान खान और उनके घर से कुछ ही दूरी पर स्थित शाहरुख खान के घर के बीच लगातार सक्रिय है। सलमान के साथ शाहरुख की भी सुरक्षा बढ़ी शाहरुख खान के लिए मुंबई में सुरक्षा व्यवस्था खासी चौकस रखी गई है। इसका खुलासा भी फिल्म 'करण अर्जुन' की स्पेशल स्क्रीनिंग में उनकी मौजूदगी को मंजूरी न मिलने के बाद हुआ है।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का गाना नैन मटक्का रिलीज, कीर्ति सुरेश के साथ दिखी शानदार केमिस्ट्री

एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन को लेकर सुर्खियों में है, जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच फैंस की एक्साइटमेंट को कम करते हुए हाल ही में मेकर्स ने इस मूवी का नया गाना नैन मटक्का रिलीज कर दिया है, जो इंटरनेट पर खूब धूम मचा रहा है। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस ट्रैक को शेयर किया है

और गाने का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, एक वाइब बहुत अच्छा, यह आपको डांस करने पर मजबूर कर देगा, बेबी! यह ट्रैक वरुण और कीर्ति सुरेश के बीच शानदार केमिस्ट्री और दिलजीत और धीक्षिता वेंकटेशन उर्फ ध्ध्धी की मजेदार आवाज का परफेक्ट मिश्रण है। नैन मटक्का गाने को पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने गाया है। बता दें, हाल ही में बेबी जॉन फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। टीजर में वरुण एक पुलिस अधिकारी और एकल पिता की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। वह एक ऐसे चरित्र को चित्रित करते हैं जो विरोधियों का डटकर मुकाबला करने से नहीं डरता। एक दृश्य में, वह घोषणा करते हैं, मेरे जैसे बोहत आये होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। टीजर में कीर्ति सुरेश को मुख्य महिला के रूप में पेश किया गया है और एक्टर जैकी श्रॉफ को प्रतिपक्षी के रूप में एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली भूमिका में दिखाया गया है। वामीका गब्बी और राजपाल यादव जैसे प्रतिष्ठित कलाकार भी फिल्म बेबी जॉन के मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित और कलीज निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

शूरा खान ने पति अरबाज के साथ शेयर की रोमांटिक तस्वीरें, फैंस ने दी शानदार प्रतिक्रिया

बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान की दूसरी पत्नी शूरा खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बेहद प्यारी और रोमांटिक तस्वीरें साझा की हैं, जिसे देखकर इन दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री का अंदाजा लगाया जा सकता है। शूरा खान और अरबाज खान ने हाल ही में अपने निजी जीवन की एक दिल छू लेने वाली झलक दिखाकर प्रशंसकों को खुश कर दिया है। शूरा ने कुछ ही देर पहले अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपने पति और बॉलीवुड अभिनेता अरबाज खान के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। शूरा ने जैसे ही सोशल मीडिया पर यह तस्वीरें साझा कीं, मिनटों में यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। प्रशंसक इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शूरा खान ने तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वे अरबाज के साथ कई

रोमांटिक पोज देती नजर आईं। इन खूबसूरत तस्वीरों के साथ शूरा ने लिखा, केवल हम। इन लाजवाब तस्वीरों पर शूरा और अरबाज को चाहने वाले प्रशंसक लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं शूरा और अरबाज के प्रशंसकों में से एक ने लिखा, माशाल्लाह भाई और भाभी। एक और फैन ने लिखा, बहुत प्यारा। एक और प्रशंसक ने लिखा, 'लाजवाब'। हाल ही में, शूरा ने अपने सोशल हैंडल पर अरहान खान को शुभकामना देने के लिए एक अनदेखी तस्वीर साझा की थीं। अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर शूरा ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें अरहान गिटार बजाते हुए दिखाई दे रहे हैं और उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे माय फ्रेंड माय फैमिली, आप जैसे हैं उसके लिए धन्यवाद। शूरा और अरबाज खान ने 24 दिसंबर 2023 में शादी की थी। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान की दोनों बहनें अलवीरा और अर्पिता खान भाई अरबाज और शूरा की शादी से खुश नहीं थे। इसके पीछे का कारण शूरा की पहली शादी और एक आठ साल की बेटी बताया गया। बहरहाल, इन नई तस्वीरों में अरबाज और शूरा बेहद खुश नजर आ रहे हैं।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, सम्पादक राजीव कुमार के लिए शिवम ऑफसेट अशोक नगर भरथना रोड इटावा उत्तर प्रदेश से छपकर इटावा से प्रकाशित सम्पादक राजीव कुमार संपर्क सूत्र 9219240048
नोट अखबार में प्रकाशित समस्त रचनाओं के विचार व दायित्व लेखीय है सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है इटावा एक्सप्रेस अखबार से संबंधित सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र इटावा उत्तर प्रदेश रहेगा
शीर्षक कोड UPHIN50151. Email etawahexpress24@gmail.com , Website. www.etawahexpress.com